शब्द-ज्ञान

शब्दों के भिन्न-भिन्न रुपों के ज्ञान से उनका सही प्रयोग किया जा सकता है।

1.पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

किसी शब्द-विशेष के लिए प्रयुक्त समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

आकाश- गगन,नभ,आसमान,व्योम,अंबर।

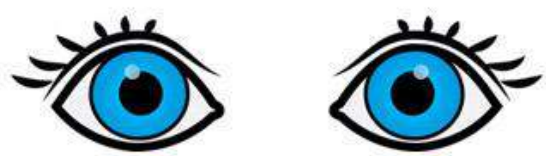

आँख- नेत्र,दृग,नयन,लोचन।

अश्व	घोड़ा, हय, तुरंग,बाजी।
इच्छा	आकांक्षा, चाह, अभिलाषा, कामना।
इंद्र	सुरेश, देवेंद्र, देवराज, पुरंदर।
गृह	घर, निकेतन, भवन, आलय।
गंगा	त्रिपथगा, देवनदी, जाह्नवी, भागीरथी।
पुत्री	बेटी, सुता, तनया, आत्मजा।
पृथ्वी	धरा, मही, धरती, वसुधा, भूमि, वसुंधरा।
सर्प	सांप, अहि, भुजंग, विषधर।
सागर	समुद्र, उदधि, जलधि, वारिधि।
सिंह	शेर, वनराज, शार्दूल, मृगराज।
शिक्षक	गुरु, अध्यापक, आचार्य, उपाध्याय।
हाथी	कुंजर, गज, द्विप, करी, हस्ती।

1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)- अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते हैं।

आज्ञा का पालन करने वाला - आज्ञाकारी

हाथ से लिखा हुआ - हस्तलिखित

अच्छे चरित्र वाला - सच्चरित्र

ऊपर कहा हुआ - उपर्युक्त

जिस पर उपकार किया गया हो - उपकृत

सत्य बोलने वाला - सत्यवादी

दूसरों पर उपकार करने वाला - उपकारी

जो कहा न जा सके - अकथनीय

जो गिना न जा सके - अगणित

जिसका कोई शत्रु ही न जन्मा हो - अजातशत्रु

जिसके समान कोई दूसरा न हो - अद्‍वितीय

जो परिचित न हो - अपरिचित

जिसकी कोई उपमा न हो - अनुपम

जिसका आकार न हो - निराकार

जो आँखों के सामने हो	- प्रत्यक्ष
जानने की इच्छा रखने वाला	- जिज्ञासु
जिसे क्षमा न किया जा सके	- अक्षम्य
जिसके कोई संतान न हो	- निस्संतान
जो कभी न मरे	- अमर
जिसका आचरण अच्छा न हो	- दुराचारी
हित चाहने वाला	- हितैषी
जिसके नीचे रेखा हो	- रेखांकित
जिसका संबंध पश्चिम से हो	- पाश्चात्य
जो स्थिर रहे	- स्थावर
सौतेली माँ	- विमाता
व्याकरण जाननेवाला	- वैयाकरण
रचना करने वाला	- रचयिता
मछली की तरह आँखों वाली	- मीनाक्षी
मयूर की तरह आँखों वाली	- मयूराक्षी
प्रिय बोलने वाली स्त्री	- प्रियंवदा
जिसकी उपमा न हो	- निरुपम
जो थोड़ी देर पहले पैदा हुआ हो	- नवजात
सब कुछ जानने वाला	- सर्वज्ञ
जो स्वयं पैदा हुआ हो	- स्वयंभू
जो शरण में आया हो	- शरणागत
बहुत तेज चलने वाला	- द्रुतगामी
जो किसी पक्ष में न हो	- तटस्थ
तत्व को जानने वाला	- तत्वज्ञ
जो बहुत समय कर ठहरे	- चिरस्थायी
जिसकी चार भुजाएँ हों	- चतुर्भुज
हाथ में चक्र धारण करनेवाला	- चक्रपाणि
गणित का ज्ञाता	- गणितज्ञ
आकाश को चूमने वाला	- गगनचुंबी

विपरीतार्थक / विलोम शब्द (Antonyms) - विपरीत अर्थ प्रगट करने वाले शब्दों को विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।

खुशी x दुख,गम

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आलस्य	स्फूर्ति	आदि	अंत
गहरा	उथला	आय	व्यय
आदि	अनादि	आविर्भाव	तिरोभाव
गुण	दोष	अभिज्ञ	अनभिज्ञ
इच्छित	अनिच्छित	आर्द्र	शुष्क
चर	अचर	अल्प	अधिक
उदार	अनुदार	अगम	सुगम
जड़	चेतन	आशा	निराशा
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	अनुग्रह	विग्रह
आश्रित	निराश्रित	अंधकार	प्रकाश
अरुचि	रुचि	आदि	अंत
आरंभ	अंत	आय	व्यय
अवनति	उन्नति	कटु	मधुर
कड़वा	मीठा	आलोक	अंधकार
उदय	अस्त	क्रय	विक्रय
कर्म	निष्कर्म	अनुपस्थित	उपस्थित
अर्वाचीन	प्राचीन	खुशी	दुख,गम

अवनी	अंबर	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
आदर	अनादर	जीवन	मरण
क्रुद्ध	शान्त	इष्ट	अनिष्ट
आयात	निर्यात	घर	बाहर
खिलना	मुरझाना	उपकार	अपकार
आर्य	अनार्य	जल	थल
गुरु	लघु	उधार	नकद
उत्थान	पतन	जंगम	स्थावर
उत्तर	दक्षिण	जटिल	सरस
एक	अनेक	तुच्छ	महान
दिन	रात	देव	दानव
अवनति	उन्नति	कटु	मधुर
क्रिया	प्रतिक्रिया	कृतज्ञ	कृतघ्न
आमिष	निरामिष	उत्कर्ष	अपकर्ष
आदान	प्रदान	गुप्त	प्रकट
अर्वाचीन	प्राचीन	ऐसा	वैसा
आकर्षण	विकर्षण	दुराचारी	सदाचारी
आजादी	गुलामी	अवनी	अंबर
अनुराग	विराग	आदर	अनादर
अनिवार्य	वैकल्पिक	अरुचि	रुचि
अभिमान	नम्रता	आरंभ	अंत
अर्थ	अनर्थ	अथ	इति
अपमान	सम्मान	अनुकूल	प्रतिकूल
अनुज	अग्रज	आहार	निराहार
आदान	प्रदान	अमृत	विष
आकाश	पाताल	इच्छा	अनिच्छा
अल्पायु	दीर्घायु	गरीब	अमीर
छूत	अछूत	इहलोक	परलोक
जड़	चेतन	उधार	नकद

उत्थान	पतन	जंगम	स्थावर
उत्तर	दक्षिण	जटिल	सरस
एक	अनेक	तुच्छ	महान
दिन	रात	देव	दानव
मानवता	दानवता	धर्म	अधर्म
जड़	चेतन	उधार	नकद
उत्थान	पतन	जंगम	स्थावर
आलस्य	स्फूर्ति	खुशी	दुख,गम
गहरा	उथला	अतिवृष्टि	अनावृष्टि

2. एकार्थक शब्द - हिन्दी में कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं जो पर्यायवाची जैसे होते हैं लेकिन उनके अर्थ में भिन्नता होती इसलिए इनका प्रयोग हम एक दूसरे के स्थान पर नहीं कर सकते ।

अस्त्र- जो हथियार हाथ से फेंककर चलाया जाए। जैसे-बाण।

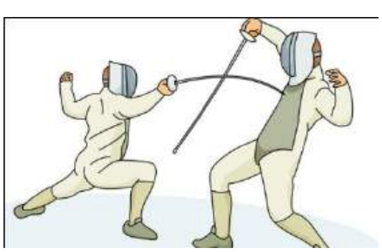

शस्त्र - जो हथियार हाथ में पकड़े-पकड़े चलाया जाए। जैसे - कृपाण।

1. अगम - जहाँ पहुँचा न जा सके।
   दुर्गम -जहाँ पहुँचने में कठिनाई हो ।
2. आवश्यक - जिसकी जरुरत हो ।
   अनिवार्य -जिसके बिना कार्य संभव न हो ।
3. अलौकिक-जो इस जगत में कठिनाई से प्राप्त हो ।
   अस्वाभाविक- जो मानव स्वभाव के विपरीत हो ।
   असाधारण-सांसारिक होकर भी अधिकता से न मिले ।
4. ईर्ष्या-दूसरे की उन्नति को सहन न कर सकना ।
   डाह-ईर्ष्यायुक्त जलन।
   द्वेष-शत्रुता का भाव ।
5. स्वागत- किसी के आगमन पर सम्मान।
   अभिनंदन-अपने से बड़ों का विधिवत सम्मान ।
6. आज्ञा-बड़ों का छोटों को कुछ करने के लिए आदेश।
   अनुमति-प्रार्थना करने पर बड़ों द्वारा दी गई सहमति।
7. नमस्ते-समान अवस्था वालो को अभिवादन ।
   नमस्कार-समान अवस्था वालों को अभिवादन ।
   प्रणाम- अपने से बड़ों को अभिवादन।
   अभिवादन-सम्माननीय व्यक्ति को हाथ जोड़ना ।
8. अनुनय-प्रार्थना किसी बात पर सहमत होने की।
   विनय-अनुशासन एवं शिष्टतापूर्ण निवेदन ।
   आवेदन-योग्यतानुसार किसी पद के लिए कथन द्वारा प्रस्तुत होना।
   प्रार्थना- किसी कार्य-सिद्धि के लिए विनम्रतापूर्ण कथन।
9. महिला-कुलीन घराने की स्त्री ।
   पत्नी-अपनी विवाहित स्त्री ।
   स्त्री-की बोधक नारी जाति ।
10. इच्छा-किसी वस्तु को चाहना ।
    उत्कंठा-प्रतीक्षायुक्त प्राप्ति की तीव्र इच्छा ।

आशा-प्राप्ति की संभावना के साथ इच्छा का समन्वय।

5. समोच्चरित शब्द - (Paironyms) कुछ शब्द उच्चारण में समान प्रतीत होते हैं परन्तु उनके अर्थ भिन्न होते हैं, उन्हें हम समोच्चारित शब्द कहते हैं ।

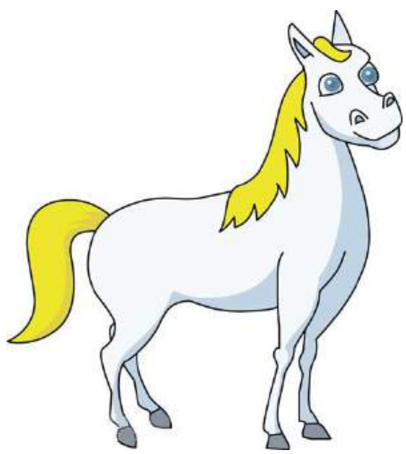
अश्व- घोड़ा

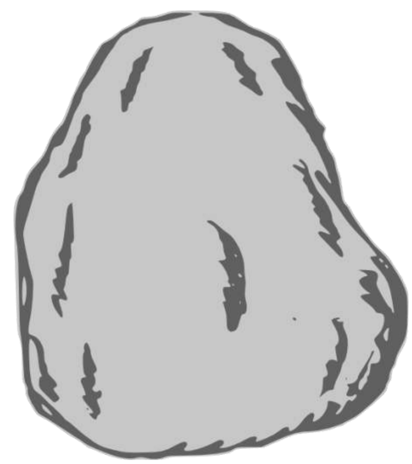
अश्म- पत्थर

अनु-पश्चात	अणु- कण
इत्र- सुगंधित द्रव्य	इतर-दूसरा
और-तथा	ओर-तरफ
आमरण- मृत्युपर्यंत	आभरण- गहना
चारण- भाट	चरण- पैर
अपेक्षा-तुलना में	उपेक्षा-निरादर, लापरवाही
कल-सुंदर,पुरजा	काल-समय
अन्न- अनाज	अन्य-दूसरा
असित- काला	अशित- खाया हुआ
अंदर- भीतर अनल- आग	अंतर- भेद अनिल-हवा,वायु
दशा- हालत	दिशा- तरफ़
प्रकार-तरह	प्राकार-किला, घेरा
अलि-भ्रमर	आली- सखी
कृमि-कीट	कृषि-खेती

अन्याय- इंसाफी-गैर	अन्यान्य- दूसरे-दूसरे
गुरु-शिक्षक	गुर- उपाय
उपकार-भलाई,भला करना	अपकार-बुराई,बुरा करना
अपचार- अपराध	उपचार- इलाज
अवसान- अंत	आसान- सरल
कुल-वंश	कूल-किनारा
क्रम- सिलसिला	कर्म-काम
कुजन- दुर्जन	कूजन- पक्षियों का कलरव
कृति-रचना	कृती-निपुण,परिश्रमी
परुष-कठोर	पुरुष-आदमी
तप्त- गरम	तृप्त- संतुष्ट
चिर-पुराना	चीर- वस्त्र
पानी-जल	पाणि-हाथ
कलि-कलियुग,झगड़ा	कली-अधखिला फूल
प्रसाद-कृपा	प्रासादा-महल

5. अनेकार्थक शब्द(Words having different meanings)

ऐसे शब्द जो एक शब्द के द्वारा अनेक अर्थ प्रकट करते हों अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं।

दंड - सजा

डंडा

शब्द	अनेकार्थक शब्द
अंक	गोद, संख्या, नाटक का अंश
आम	एक फल, सामान्य(मामूली)
गति	दशा, चाल, मोक्ष
काल	समय,मृत्यु,यमराज।
काम	कार्य,पेशा,धंधा,वासना,कामदेव।
गुण	कौशल,शील,रस्सी,स्वभाव,धनुष की डोरी।
घन	बादल,भारी,हथौड़ा,घना।
आराम	बाग,विश्राम,रोग का दूर होना।
कर	हाथ,किरण,टैक्स,हाथी की सूँड़।
जलज	कमल,मोती,मछली,चंद्रमा,शंख।
तात	पिता,भाई,बड़ा,पूज्य,प्यारा।
अक्षर	नष्ट नहोने वाला,वर्ण,ईश्वर,शिव।
अर्थ	धन,ऐश्वर्य,प्रयोजन,हेतु।
मधु	शहद,मदिरा,चैत मास,एक दैत्य,वसंत।
राग	प्रेम,लाल रंग,संगीत की ध्वनि।
राशि	समूह,मेष,कर्क,वृश्चिक आदि राशियाँ।
पयोधर	बादल,स्तन,पर्वत,गन्ना।
फल	लाभ,मेवा,नतीजा,भाले की नोक।
बाल	बालक,केश,बाला,दानेयुक्त डंठल।
दल	समूह,सेना,पत्ता,हिस्सा,पक्ष,भाग,चिड़ी।
नग	पर्वत,वृक्ष,नगीना।
लक्ष्य	निशान,उद्देश्य।
वर्ण	अक्षर,रंग,ब्राह्मण आदि जातियाँ।
अंक	गोद, संख्या, नाटक का अंश

6. कुछ सामान्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
असोक	अशोक	निस्वार्थ	निःस्वार्थ
सिरीमान	श्रीमान	महाअन	महान
छमा	क्षमा	आर्दश	आदर्श
प्रीक्षा	परीक्षा	मरयादा	मर्यादा
प्रमात्मा	परमात्मा	घनिष्ट	घनिष्ठ
वितीत	व्यतीत	कृप्या	कृपा
सप्ताहिक	साप्ताहिक	अलोकिक	अलौकिक
आधीन	अधीन	हस्ताक्षेप	हस्तक्षेप
उपन्यासिक	औपन्यासिक	क्षत्रीय	क्षत्रिय
कालीदास	कालिदास	पूरती	पूर्ति
गृहणी	गृहिणी	परिस्थित	परिस्थिति
बिमारी	बीमारी	पत्नि	पत्नी
स्थाई	स्थायी	श्रीमति	श्रीमती
अगामी	आगामी	लिखायी	लिखाई
संसारिक	सांसारिक	क्यूँ	क्यों
व्योहार	व्यवहार	बरात	बारात
दुनियां	दुनिया	तिथी	तिथि

अतिथी	अतिथि	नीती	नीति
आर्शिवाद	आशीर्वाद	निरिक्षण	निरीक्षण
शताब्दि	शताब्दी	लड़ायी	लड़ाई
सामिग्री	सामग्री	वापिस	वापस
दुसरा	दूसरा	साधू	साधु
अनुदित	अनूदित	जादु	जादू
इतिहासिक	ऐतिहासिक	दाइत्व	दायित्व
घबड़ाना	घबराना	श्राप	शाप
विना	बिना	बसंत	वसंत
हंसिया	हँसिया	गंवार	गँवार
दुस्कर	दुष्कर	मुल्यवान	मूल्यवान
नवम्	नवम	क्षा-	छा-
षष्टम्	षष्ठ	प्रंतु	परंतु
दुदर्शा	दुर्दशा	कवित्री	कवयित्री
राजभिषेक	राज्याभिषेक	पियास	प्यास
व्यक्तिक	वैयक्तिक	मांसिक	मानसिक
विषेश	विशेष	शाशन	शासन
पिओ	पियो	हुये	हुए
रामायन	रामायण	चरन	चरण
प्रान	प्राण	मरन	मरण
ढ़ेर	ढेर	झाडू	झाड़ू
षष्टी	षष्ठी	निष्टा	निष्ठा
स्वास्थ	स्वास्थ्य	पांडे	पांडेय
महत्व	महत्त्व	आल्हाद	आह्लाद
प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी	ऊत्थान	उत्थान
रेणू	रेणु	नुपुर	नूपुर
बृज	ब्रज	प्रथक	पृथक
सेनिक	सैनिक	सैना	सेना
बनस्पति	वनस्पति	बन	वन

अमावश्या	अमावस्या	प्रशाद	प्रसाद
समवाद	संवाद	संपति	संपत्ति
दुःख	दुख	मूलतयः	मूलतः
लीये	लिए	सहास	साहस
रनभूमि	रणभूमि	रसायण	रसायन
कल्यान	कल्याण	पडता	पड़ता
मेंढ़क	मेढक	श्रेष्ट	श्रेष्ठ
सृष्ठि	सृष्टि	इष्ठ	इष्ट
स्वतंत्रा	स्वतं-ता	उपलक्ष	उपलक्ष्य
उज्वल	उज्जवल	व्यस्क	वयस्क